आईआईटी-एनआईटी काउंसलिंग की दूसरे राउण्ड का सीट आवंटन आज

विद्यार्थियों को होगा ड्यूल डाक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन

कोटा,(निसं)। देश के आईआईटी, एनआईटी ट्रिपलआईटी सहित 112 संस्थानों की 54 हजार 477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग जारी है। ज्वाइंट काउंसलिंग के दूसरे राउण्ड का सीट आवंटन आज 28 सितम्बर शाम 5 बजे जारी कर दिया जाएगा। जिन विद्यार्थियों को दूसरे राउण्ड में पहली बार कॉलेज सीट आवंटित होंगी, उन्हें काउन्सलिंग ऑप्शन फ्लॉट, स्लाइड व फ्रीज ऑप्शन को चुनकर सीट असेप्टेंस फीस जमा करवाकर,आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड कर 1 अक्टूबर शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी। जोसा द्वारा अपलोड किये गए डोक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन कर आवंटित सीट कन्फर्म की जाएगी। जोसा द्वारा अपलोड किये गए डाक्यूमेंट्स में कमी पाए जाने पर आयी क्वेरी का रेस्पॉन्स 2 अक्टूबर तक देना होगा।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया जिन विद्यार्थियों को पहले राउण्ड में आईआईटी का आवंटन हुआ था, अगर अब उन्हें दूसरे राउण्ड में एनआईटी का आवंटन होता है, साथ ही जिन्हें पहले राउण्ड में एनआईटी सीट का आवंटन हुआ था और अब उन्हें दूसरे राउण्ड में आईआईटी सीट का आवंटन होता है तो ऐसे विद्यार्थियों का ड्यूल डाक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन होगा अर्थात दूसरे राउण्ड में नए आवंटित कॉलेज के अनुसार ही उनके डाक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन दोबारा होगा और वेरिफिकेशन के दौरान उपलोड किये गए डाक्यूमेंट्स में कमी मिलने पर आयी क्वेरी का समय रहते रिस्पांस करना होगा। रेस्पॉन्स नहीं करने पर उनकी आवंटित सीट निरस्त कर दी जाएगी। विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउण्ड में सीट का आवंटन हुआ था और अब वो सीट छोड़कर जमा करवाई गई असेप्टेंस फीस रिफण्ड करना चाहते हैं, उन्हें वेबसाइट पर जाकर विड्राअल के लिए आवेदन कर सकते है। जोसा द्वारा 6000 रुपए प्रोसेसिंग शुल्क काटकर शेष फीस लौटा दी जाएगी।

- 29 सितम्बर से 4 अक्टूबर के बीच आवंटित कॉलेज में फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी

आहूजा के अनुसार जिन विद्यार्थियों को प्रथम राउण्ड में सीट का आवंटन हुआ था और उन्होंने ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर फ्लॉट व स्लाइड ऑप्शन को चुना था, उन्हें दोबारा ऑनलाइन रिपोर्टिंग करने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही वे विद्यार्थी जो अपने द्वारा प्रथम काउंसलिंग राउण्ड के दौरान लिए गए फ्लॉट व स्लाइड ऑप्शन को बदलकर आगे की काउंसलिंग में जाना चाहते हैं, उन्हें वेबसाइट पर लॉगिन कर दिए गए विकल्प पर जाकर अपने काउन्सलिंग ऑप्शन को स्विच ओवर करना होगा। विद्यार्थी फ्लॉट ऑप्शन को स्लाइड व फ्रीज में एवं स्लाइड ऑप्शन को फ्रीज में बदलकर आगे की काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।

आहूजा ने बताया की देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल दिल्ली टेक्नीकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू), नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसयूटी) ट्रिपलआईटी दिल्ली, आईजीटीयूडब्ल्यू एवं डीकेइयू की 6372 सीटों के लिए करवाई जा रही जैक काउन्सलिंग के पहले राउंड का सीट आवंटन आज 28 सितम्बर को जारी किया जायेगा। जिन स्टूडेंट्स को पहले राउंड में सीट मिलेगी उन्हें सीट एक्सेप्टेन्स फीस जमकर अपनी एआईआर के अनुसार दिए गए काउंसलिंग शेड्यूल में 29 सितम्बर से 4 अक्टूबर के बीच आवंटित कॉलेज में फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी और अपने डाक्यूमेंट्स वेरिफाई करवाकर अपनी मिली सीट कन्फर्म करनी होगी, फिजिकल रिपोर्टिंग ना करने पर मिली सीट केन्सिल कर दी जाएगी। दूसरे राउंड का सीट आवंटन 6 अक्टूबर को किया जायेगा।

जोड़बीड़ कंजर्वेशन एरिया में शिकारियों ने हिरण मारे

वनकर्मियों ने ग्रामीणों के साथ पीछा कर चाचा-भतीजे को पकड़ा

बीकानेर, (कासं)। जोड़बीड़-गाडवाला कंजर्वेशन एरिया में बाइक पर सवार होकर पहुंचे शिकारियों ने गोली मारकर हिरणों का शिकार किया। वनकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से पीछा कर दो शिकारियों को पकड़ा है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजे हैं। आरोपियों से मृत हिरण और शिकार में काम लिए हथियार बरामद किए गए हैं। जोड़बीड़-गाडवाला कंजर्वेशन क्षेत्र में दो दिन पहले चिंकारा हिरणों के शिकार की घटना सामने आई है।

गोपालसर गांव निवासी राजेन्द्र बावरी उर्फ राजू और भादरराम बावरी उर्फ भादर बाइक पर सवार होकर जोड़बीड़ कंजर्वेशन क्षेत्र में पहुंचे और वहां चिंकारा हिरणों का शिकार किया। क्षेत्र में रेवड़ चरा रहे ग्रामीण रामा चौधरी ने शिकारियों को देखकर ललकारा और भंवरलाल जाट, रेवंतराम व अन्य ग्रामीणों को मौके पर बुलाया। वनकर्मी भी मौके पर पहुंच गए।

- मृत हिरण और शिकार में काम लिए हथियार बरामद किए गए
- गोपालसर के शिकारियों ने 23 और 24 सितंबर को दो दिन लगातार हिरणों का शिकार किया

वनकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से शिकारियों का पीछा किया और दोनों शिकारियों को पकड़ लिया। उनसे टोपीदार बंदूक, दो गंडासे, चाकू, बाइक बरामद किए गए। आरोपियों की निशानदेही पर मृत हिरण भी बरामद किया। कोटड़ी रेंजर हरिराम जाट ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा, लेकिन उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए गए।

जीव रक्षा संस्था के अध्यक्ष मोखराम धारणिया ने आरोप लगाया है कि गोपालसर के शिकारियों ने 23 और 24 सितंबर को दो दिन लगातार हिरणों का शिकार किया। चिंकारा हिरणों को मारकर बोर में डाल ले गए। इसके बावजूद वन विभाग ने एक ही दिन का केस दर्ज किया है। इसके अलावा शिकारियों का रिमांड भी नहीं लिया गया। उनसे पूछताछ कर अन्य शिकारियों को नामजद कर हिरण या उनका मांस बरामद करना चाहिए था। जोड़बीड़-गाडवाला कंजर्वेशन क्षेत्र में चिंकारा हिरणों का शिकार गंभीर मामला है, जबकि वहां वनकर्मियों की ड्यूटी रहती है।

पायलट के समर्थन में लगे पोस्टर चर्चा का विषय बने

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में कांग्रेस के भीतर मचे घमाशान की आंच सी एम अशोक गहलोत के गृहनगर में भी दिखाई देने लगी है। मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर जोधपुर में सचिन पायलट के समर्थन में लगे पोस्टर मारवाड़ में चर्चा का विषय बने हुए है।

जोधपुर के चौराहों पर सचिन पायलट के पोस्टर नए युग की तैयारी के कैप्शन के साथ लगाए गए हैं। जो शहर में काफी चर्चा का विषय बने है। सचिन पायलट के समर्थकों का कहना है कि राजस्थान के विकास तथा प्रदेश में पुन: कांग्रेस की सरकार लाने के लिए सचिन पायलट जैसे युवा को अवसर मिलना चाहिए। सचिन पायलट अनुभवी युवा नेता हैं। प्रदेश का युवा उन्हें मुख्यमंत्री देखना चाहता है।

सचिन पायलेट के प्रबल समर्थक पूर्व पार्षद एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, मीडिया सेल के निवर्तमान प्रवक्ता राजेश मेहता का कहना है कि राजस्थान में 2023 में कांग्रेस सरकार को वापस रिपीट करवाना है तो सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को विजय दिलाने में सचिन पायलट का बहुत बड़ा योगदान रहा है। अगर गहलोत की विधानसभा चुनाव में जादूगरी चली होती तो लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र वैभव गहलोत को अपने ही गृहनगर में हार का मुंह क्यों देखना पड़ा ।

राजेश मेहता का कहना है कि पार्टी आलाकमान के निर्देश पर बुलाई गई विधायक दल की बैठक में कुछ मंत्रियों और विधायकों द्वारा नहीं जाकर अलग से बैठक करना पार्टी से बगावत है। आलाकमान द्वारा बुलाई गई बैठक में लिए जाने वाले प्रस्ताव के विरोध में विधानसभा स्पीकर के पास जाकर इस्तीफा देकर आलाकमान को चुनौती देने वाले मंत्रियों पर तुरंत प्रभाव से कार्यवाही होनी चाहिए। प्रभारी महासचिव अजय माकन पर आरोप लगाने वाले मंत्री शांति धारीवाल पर तुरन्त प्रभाव से अनुशासन हीनता की कार्रवाई करते हुए पार्टी से निकालना चाहिए।

हवाला के 1.71 करोड़ रुपए बरामद

बीकानेर, (कासं)। लखनऊ के अमीनाबाद स्थित एक होटल में ठहरे बीकानेर के दो युवकों को वहां की पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पुलिस ने 1.71 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। यह रकम हवाला की बताई जा रही है।

- आयकर विभाग भी करेगा जांच

अमीनाबाद पुलिस थाने के स्टेशन ऑफिसर कृष्ण वीर सिंह ने बताया कि आरोपी राकेश पुरोहित पुत्र शीशपाल बीकानेर के कालू तथा मनोज पुत्र शिवप्रसाद श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाने के कीतासर गांव का निवासी है। उनके पास से बरामद करोड़ों रुपये के बारे में आयकर विभाग के अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है। हवाला की बड़ी रकम मिलने के बाद लखनऊ पुलिस ने बीकानेर पुलिस से संपर्क साधा है। उनकी निशानदेही पर युवकों के ठिकानों पर दबिश दी जायेगी। लखनऊ के डीसीपी पश्चिम डॉ. एस. चिनप्पा ने बताया कि सोमवार को मुखबिर की सूचना पर गणेशगंज ग्रेन मार्केट स्थित एक होटल से राकेश और मनोज को गिरफ्तार किया गया। दोनों होटल से बरामद 1.71 करोड़ रुपयों का हिसाब नहीं दे पाए। आरोपियों की कॉल डिटेल से हवाला कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में खुलासा हो सकता है।

चिकित्सक ने महिला को जड़ा थप्पड़

पीड़ित महिला और बच्ची।

भीलवाडा, (निसं)। जिले के सबसे बडे महात्मा गांधी चिकित्सालय में एक सीनियर डॉक्टर ने घिनौनी हरकत को अंजाम दिया है। जानकारी अनुसार एक महिला अपनी बेटी को हॉस्पिटल दिखाने आई थी इस दौरान एनआईसीयू वार्ड के बाहर डॉक्टर ने इस महिला को थप्पड जड़ दिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है इसके बाद पीड़ित महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

जानकारी के अनुसार बीगोद क्षेत्र की रहने वाली कशीबुन निशा अपनी बेटी तरन्नुम निशा को जिले के सबसे बडे महात्मा गांधी चिकित्सालय की शिशु इकाई में दिखाने आई थी। डॉक्टर इंद्रा सिंह को दिखाने के बाद पर्ची पर सील नहीं लगी होने के कारण उन्हें दवाइयां नहीं दी गई, जिस पर वह दोबारा डॉक्टर से सील लगवाने के लिए उनके वार्ड में पहुंची तो जानकारी मिली कि डॉक्टर इंद्रा सिंह एनआईसीयू वार्ड में जा चुकी है इस पर गार्ड से अनुमति लेकर महिला डॉक्टर सिंह से सील लगाने एनएसयू वार्ड के अंदर चली गई जहां उन्होंने मय सील लगाने के साथ ही कुछ दवाइयों में संशोधन किया और वहां खडे वार्डबॉय से महिला को दवा समझाने के लिए कहा, जब वार्डबॉय महिला को दवाओं के संबंध में जानकारी दे रहा था। इस दौरान बोर्ड के अंदर से निकलकर बाहर आए डॉ जगदीप सोलंकी ने उक्त महिला को एनआईसीयू वार्ड में खडे रहने की वजह पूछी वह कुछ बोलती उससे पहले ही उन्होंने उक्त महिला को थप्पड जड़ दिया और बदसलूकी करते हुए वार्ड से बाहर निकलने को कहा। थप्पड़ जड़ने की यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है वही पीड़ित महिला ने इस पूरे मामले में भीमगंज थाने में मुकदमा भी दर्ज करवाया है फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में समझाइश कर मामले को निपटाने का प्रयास कर रही है तो वहीं पीड़ित महिला का कहना है कि वह दोषी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई चाहती है।

बस-ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत, 3 की मौत

नोखा, (निसं)। नागौर के पास बस और ट्रक की भिड़ंत में नोखा के 3 लोगो की मौत हो गई। वहीं 8 लोग गंभीर घायल हो गए जिनका बीकानेर में इलाज चल रहा है। घायलों में महिलाओं व पुरुषों के साथ में बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बस में पचास सवारी थी। जिसमें आगे बैठी अधिकांश सवारियां घायल हो गई । ये हादसा अठियासन गांव के आस-पास हुआ है। जहां मिनी बस में बैठी 36 सवारियां हादसे की चपेट में आ गई। पीछे बैठी सवारियों के चोट नहीं आई।

बस रामदेवरा से नोखा के दावां गांव जा रही थी। रास्ते में झुंझाला माता में दर्शन करके लौट रहे थे। रास्ते में सामने से आ रहे ट्रक से जबर्दस्त टक्कर हो गई। घायलों को तुंरत बीकानेर के लिए रवाना किया गया। घायलों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं । महिलाएं भी घायल हुई हैं। अधिकांश सवारियों के सिर में चोट आई है। शेष घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। मृतक मोहनराम मेघवाल, चुतराराम दावा निवासी है। एक मृतक गुड्डी मेघवाल कक्कू निवासी है। दावा निवासी पुखराज मेघवाल, मघाराम मेघवाल, गीता मेघवाल, चुतरराम मेघवाल, प्रियंका मेघवाल, चरकड़ा के लिछमण राम मेघवाल, हंसासर के हरिकिशन कुम्हार, कक्कू का सुंदर मेघवाल, सीता मेघवाल का इलाज बीकानेर पीबीएम इलाज चल रहा है। बाकी 27 लोगो का नागौर में ही इलाज किया गया।

पतंजलि से जुड़े बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी

अलवर, (निसं)। पतंजलि स्टोर के बिजनेसमैन को पाकिस्तान के एक नंबर से जान से मारने की धमकी मिल रही है। कॉल पर व्यापारी को मिलने के लिए कहा गया, जब उसने मना कर दिया तो धमकाया कि तुझे जान से मार देंगे। इसके बाद व्यापारी थाने पहुंचा। यहां भी बदमाश ने कॉल कर जान से मारने की धमकी दी। मामला अलवर शहर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र का है।

बिजनेसमैन सीपी यादव (44) का एमआईए इंडस्ट्री एरिया में तेल व पशु आहार की फैक्ट्री है। इसके साथ पतंजलि के प्रोडक्ट भी बनाते हैं और शहर में स्कूल व कॉलेज है। सीपी यादव ने बताया कि उन्हें अगस्त महीने से जान से मारने की धमकी मिल रही थी। सबसे पहले 28 अगस्त को कॉल किया था। इसके बाद 1 व 4 सितंबर को कॉल कर धमकाया।

इससे पहले बदमाश लगातार मिलने की बात कहकर धमका रहे थे। 26 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे बदमाशों ने कॉल किया। यह कॉल व्यापारी की पत्नी ने रिसीव किया। बदमाशों ने धमकाया कि 5 मिनट में मिल ले वरना अंजाम ठीक नहीं होगा। पत्नी को जब इसके बारे में पता चला तो बिजनेसमैन चंद्र प्रकाश यादव ने बताया कि बदमाश उसे कभी से परेशान कर रहे हैं। इस पर दोनों देर रात 11 बजे शिवाजी पार्क थाना पहुंचे और मामला दर्ज करवाया। थाने पहुंचने के बाद भी व्यापारी को धमकी भरा कॉल आया। पूछा कहां आया है- तो बताया कि थाने आया हूं शिकायत करने। इस पर बदमाशों ने थाने में भी धमकाया कि तू मान नहीं रहा है, तेरी थानेदारी निकाल देंगे। पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार सीपी यादव के पास 9680568922, 3023141670, 6913926695 व 8017430713 सहित कई नंबरों से फोन आए। जब एक नंबर को व्यापारी ब्लॉक कर देता तो दूसरे से फोन आने लग जाते। दूसरा ब्लॉक या तो तीसरे नंबर से फोन आने शुरू हो जाते हैं। अलवर शहर के राखी कारोबारी का 29 जुलाई को मर्डर कर दिया गया था। इस मर्डर केस में जब पुलिस ने खुलासा किया और आरोपियों से पूछताछ की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने बताया कि उनके रडार पर कारोबारी सीपी यादव भी थे। इधर, सीपी यादव को लगातार मिल रही धमकियों के बाद पुलिस भी अलर्ट हो गई है।

बिजनेसमैन सीपी यादव

- पाकिस्तान के नंबर से आया कॉल, कहा-अंजाम सही नहीं होगा

डीडवाना पालिका उपाध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना नगर पालिका के उपाध्यक्ष बाबू खान बेगाना के खिलाफ खेत में जबरन घुसने, खडी फसल को नष्ट करने ओर परिवादी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीडित व्यक्ति ने जब पुलिस में मामला दर्ज करवाना चाहा तो पालिका उपाध्यक्ष के रसूख के चलते पुलिस ने भी मामला दर्ज नहीं किया। इसके बाद पीडित ने न्यायालय में परिवाद पेश किया, तब जाकर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन निवासी परिवादी नेमीचंद ने पालिका उपाध्यक्ष बाबू खान बेगाना, उनके पुत्र आसिफ खान और धर्मपाल सिंह सहित 8-10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। नेमीचंद ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पूर्वजों का एक खेत है, जिस पर वह और उनके भाई प्रभुराम, मोहनराम का कब्जा काश्त सैकडों वर्षो से चला आ रहा है। 24 जुलाई की रात को बाबू खान बेगाना, आसिफ खान और धर्मपाल सिंह 8-10 व्यक्तियों के साथ एक राय होकर हाथों में हथियार लेकर उनके खेत पहुंचे और खेत में खडी फसल को ट्रैक्टर और गाडियों से नष्ट कर दिया। पीडित ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि सभी आरोपी बदमाश किस्म के व्यक्ति हैं और बाबू खान बेगाना नगर पालिका में उपाध्यक्ष है। यह लोग जमीनों के भी बडे भूमाफिया है। उनके रसूख के चलते पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की और बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद पुलिस ने उन पर राजीनामा का दबाव बनाया। जिसके बाद पीड़ित ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया है। पीड़ित के परिवाद पर एसीजेएम नीलम मीणा ने डीडवाना पुलिस थाने को प्रकरण की एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कर करने के आदेश दिए हैं।

- बदमाशों के साथ खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाने का आरोप

60 किलो दाल सीज

चूरू, (का. सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगल वार को जिला कल क्टर सिद्धार्थ सिहाग के निर्देशानुसार कार्रवाई कर नवोदय विद्याल य में खाद्य सामग्री आपूर्ति करने वाली फर्म से चूरू शहर में दो नमूने लि ये। टीम ने मौके पर 60 किलो दाल सीज की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्याल य सरदार शहर में सप्लाई की जा रही खाद्य सामग्री से संबंधित चूरू की फर्म महिमा एंटरप्राइजेज चूरू व श्रीलाल श्याम सुंदर फर्म उत्तरादा बाजार चूरू का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया व विनोद थारवान ने बताया कि फर्म श्रीलाल श्याम सुंदर उतरादा बाजार चूरू से सप्लाई की जा रही खाद्य सामग्री चना दाल व मूंग मोगर के एक-एक नमूने लि ए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान 60 किलो ग्राम दाल को सीज किया गया है। दोनों नमूनों को प्रयोगशाला जयपुर में जांच के लि ए भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

- खाद्य सामग्री आपूर्ति करने वाली फर्म के खिलाफ कार्रवाई

उप जिला चिकित्सालय पोकरण में मरीज बेहाल

रोजना सात सौ से आठ सौ मरीज की ओपीडी, जनप्रतिनिधि नही दे रहे ध्यान

पोकरण, (निसं)। इन दिनों पोकरण शहर में मलेरिया,डेंगू व मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ रहे हैं। वहीं उपजिला चिकित्सालय पोकरण की व्यवस्था चरमरा गई है। चिकित्सा प्रभारी डॉ. कामिनी गुप्ता ने बताया कि प्रतिदिन 700- 800० मरीजों की ओपीडी होती है। वहीं इनमें से भर्ती मरीजों को अस्पताल प्रशासन बेड भी मुहैया करा पाने में असर्मथ दिखाई दे रहा है। वर्तमान में अस्पताल में बेड की कमी की वजह से मरीजों को बाहर से अपना उपचार करवाना मजबूरी रहता है। मरीजो के परिजन बाहर से चारपाई किराये पर लाकर भर्ती हो रहे हैं । काबिले गौर है कि पोकरण विधानसभा की लगभग तीन लाख जनसंख्या लगभग पर यह एक मात्र उपजिला अस्पताल है, जो भी हर साल की तरह इस साल भी मौसमी बीमारियों के समय में अपनी बदहाली का बयान करता हुआ नजर आ रहा है। मात्र 16 चिकित्सकों के भरोसे क्षेत्र की जनता का उपचार हो रहा है। वही सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार ट्रामा सेंटर खोलने की कार्रवाई धीमी गति से चल रही है।

पोकरण चिकित्सालय में एक ही बेड पर तीन-चार मरीज उपचार लेने को मजबूर।

केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री साले मोहम्मद के निर्वाचन क्षेत्र का एकमात्र उप जिला चिकित्सालय अपनी बदहाली का बयान दर्ज करवा रहा है।

इस अस्पताल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से उपजिला अस्पताल का दर्जा मिल गया हैं और क्षेत्र के विधायक शाले मोहम्मद इसे स्वास्थ के क्षेत्र में अपनी बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल इसके उलट दिखाई देती है । जहां सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार बेड की संख्या 150 बताई जाती हैं, वहीं मौके पर मात्र सौ बेड भी नजर नहीं आ रहे हैं । अस्पताल में सिर्फ दो फिजिशियन डॉक्टर की नियुक्ति की गई है।

अव्यवस्थाओं का आलम यह हैं कि चिकित्सक अस्पताल ओपीडी पर उपचार डेंगू का दे रहे। लेकिन जाँच लिखे बिना ताकि सही आँकड़े जनता और मीडया की नजरों में न आ पाए । चिकित्सक ने अपना नाम नही छापने की शर्त पर बताया कि डेंगू के उपचार के लिए चिकित्सालय में संसाधन कम होने के कारण डेंगू के मरीज को उपचार तो दिया जाता है। वही सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया जाता ।

उप जिला चिकित्सालय पोकरण की प्रभारी डॉ. कामिनी गुप्ता ने बताया कि मौसमी बीमारी मलेरिया डेंगू के मरीजों का लगातार इजाफा हो रहा है। चिकित्सक टीम द्वारा लगातार उपचार में कोई कमी नहीं रखी जा रही है। बेड की कमी होने एवं बेडशीट की धुलाई समय पर नहीं होने के कारण मरीजों को उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है।

पत्नी पीहर गई थी, पीछे से पति ने खुदकुशी की

भरतपुर, (निसं)। अटलबन्द थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक संजू घर में अकेला था और उसकी पत्नी अपनी बेटी के साथ आगरा गई हुई थी।

घटना का पता तब चला जब उसके शव से बदबू उठने लगी। पड़ोसियों ने इसकी खबर पुलिस को खबर की। जिसके बाद पुलिस ने घर का गेट तोड़ा तो पता लगा कि व्यक्ति पंखे के फंदे से लटका हुआ है। 2 दिन से लटके हुए शव में बुरी तरह से बदबू आ रही थी। काफी मशक्कत के बाद व्यक्ति के शव को नीचे उतारा गया और शव को मोर्चरी में भिजवाया गया। इंदिरा नगर कॉलोनी निवासी संजू अपनी पत्नी और बेटी के साथ रहता था। संजू की पत्नी अपनी बेटी को लेकर आगरा गई थी। घर में सिर्फ संजू अकेला था। घर पर कोई नहीं था जब संजू ने फांसी लगा ली। संजू की पत्नी अपने पिता के घर गई हुई थी। इस बीच उसकी अपने पति संजू से बात नहीं हुई। आज पड़ौसियों को संजू के घर से बदबू आई तो उन्होंने कंट्रोल रूम में घटना की सूचना दी। मौके पर अटलबन्द थाना पुलिस पहुंची और घर का गेट तोड़कर घर में दाखिल हुई। अंदर संजू का शव पंखे के कुंदे से लटका हुआ था जिसमें से काफी बदबू आ रही थी। पुलिस ने संजू के पिता मनसुख को मौके ओर बुलाया। मृतक के पिता ने बताया कि संजू दिमागी रूप से बीमार था। जिसका इलाज भी चल रहा था। वह बीमार होने के कारण घर में तोडफोड भी करता रहता था। जिसके बाद पुलिस ने एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया और काफी कोशिश के बाद शव को कुंदे से नीचे उतारकर मोर्चरी भिजवाया।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL CHITTORGARH
NO./Utsav/Dussera Mela-2022/6562-63 DATE :- 22.09.2022
Notice Inviting Bid
Various types of works and arrangements for organizing Dussehra Mela-2022. in Municipal Council Chittorgarh are invited form interested bidder upto 30/09/2022 (time) 12.30 PM (date). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state and www.chittorgarhmc.com departmental website.
UBN DLB2223WSOB16580, DLB2223WSOB16581
Raj.Samwad/C/22/8340 President Commissioner